

हिंदी भाषा के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर

डॉ. निर्मल सिंह

सहायक प्रोफेसर, हिंदी

राजकीय महिला महाविद्यालय, शहजादपुर (अम्बाला)

रोजगार आज की युग की बड़ी ज्वलंत समस्या है। प्रत्येक विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के दौरान इस विषय पर मंथन जरूर करता है कि वह जिस विषय में शिक्षा प्राप्त कर रहा है, उसमें उसके लिए रोजगार की कितनी संभावनाएं हैं। हिंदी में रोजगार के कितने अवसर हैं इस विषय पर बात करने से पहले, हम भाषा क्या है ? और हिंदी की स्थिति क्या है ? इस विषय पर चर्चा करेंगे।

भाषा :- भाषा वह माध्यम या साधन है जिसके द्वारा हम बोलकर या लिखकर अपने विचारों का आदान - प्रदान करते हैं। हिंदी एक भाषा है, जिसे भारत की राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा तथा भारतवर्ष की मातृभाषा होने का गौरव प्राप्त है। इस दृष्टि से हिंदी भाषा की भारत में स्थिति अत्यंत गरिमामयी है। अब हम इस विषय पर चर्चा करेंगे कि किसी भी विषय को किसी विद्यालय या विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में क्यों पढ़ाया जाता है? और उसका औचित्य क्या है? उस विषय में रोजगार की संभावनाएं कितनी हैं ?

सबसे पहले बात करते हैं औचित्य की। भाषा शिक्षण का औचित्य क्या है यदि इस दृष्टि से अध्ययन किया जाए तो हमें पता चलता है कि किसी भी भाषा का सर्वप्रथम कार्य किसी समाज को विचार विनिमय अर्थात् संप्रेषण की योग्यता प्रदान करना है बिना भाषा के को भी समाज ने तो ज्ञानार्जन कर सकता है और ना ही अर्जित ज्ञान का को प्रयोग कर सकता है। इस दृष्टि से हिंदी भाषा बहुत ही औचित्यपूर्ण भाषा है। यह भाषा समस्त विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे स्थान पर आती है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में लगभग 55 करोड़ से अधिक लोग बोल सकते हैं और लगभग 1 अरब से अधिक लोग समझ सकते हैं। इसके साथ ही ज्ञानार्जन तथा उसके सदुपयोग में भी हिंदी भाषा अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने इसी औचित्य के आधार पर हिंदी भाषा ने अपना मातृभाषा से लेकर राजभाषा तक का सफर सफलतापूर्वक पूरा किया है।

अब प्रश्न उठता है रोजगार का, कि किसी भी विद्यालय या विश्वविद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी उन विषयों का अध्ययन करना चाहता है, जिनमें रोजगार की संभावनाएं अधिक होती हैं। व्यवहारिक रूप से देखने में भी आता है कि जिन विद्यार्थियों का अंक प्रतिशत अधिक होता है तो वे प्रायः उन विषयों में दाखिला लेते हैं जो रोजगारोन्मुखी होते हैं। इसलिए ऐसे विषयों में सीटें सबसे पहले भर जाती हैं। यद्यपि प्रत्येक विषय का अपना एक महत्व होता है। किसी भी विषय की महत्ताको कम या ज्यादा नहीं आंका जा सकता। इस दृष्टि से यदि हम हिंदी भाषा की स्थिति को देखें तो यह बहुत ही बेहतर स्थान पर दिखा देती है।

यद्यपि किसी भी भाषा के अध्ययन-अध्यापन का मूल उद्देश्य समाज को नैतिक शिक्षा, मूल्य चेतना, और समाज चेतना प्रदान करना होता है। किसी भी भाषा में रचित साहित्य उपरोक्त सभी लक्ष्य एवं उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम भी होता है। हिंदी भाषा का अपना एक समृद्ध साहित्य कोश है। जिसके द्वारा वह समाज को एक न दिशा देने का कार्य कर रहा है और समाज की दशा को भी सुधार रहा है।

इसके साथ-साथ हिंदी भाषा में रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं। हिंदी भाषा का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान समय में हिंदी को लेकर जो पुरानी मानसिकता थी वह टूट रही है। हिंदी भाषा में पर्याप्त क्षमता है जो लोगों को रोजगार तक ले जा सकती है। आज हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर अंग्रेजी के लोग भी हिंदी मीडिया की ओर आकर्षित हो रहे हैं। निश्चित तौर पर हिंदी के विद्यार्थियों के लिए भी चुनौती काम नहीं है। इस चुनौती से निपटने के लिए उन्हें भी द्विभाषी बनना होगा। किसी भी भाषा में निपुणता के लिए उस पर पकड़ बनाना अनिवार्य होता है। हिंदी में भी लोगों को पूर्णता व दक्षता हासिल करनी पड़ेगी।

विदेशी कंपनियों ने भारत में अपने कारोबार को बहुत बढ़ा लिया है। इसके लिए उन्हें हिंदी प्रोफेशनल्स की आवश्यकता है।

आज हिंदी भाषा में ब्लॉग, वेबसाइट और मोबाइल ऐप की भरमार है। इसके लिए देश-विदेश में हिंदी विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। भारत विदेशी कंपनियों के लिए एक बहुत बड़ा बाजार है जिसमें अपने उत्पादों के साथ लोगों के बीच पहुंचने के लिए उनकी भाषा की आवश्यकता है। भारत में हिंदी अधिकतर लोगों में बोली तथा समझी जाती है। इसके लिए उन्हें हिंदी विशेषज्ञों की आवश्यकता पड़ रही है। इस प्रकार हिंदी भाषा लगातार लोकप्रियता प्राप्त करती जा रही है।

सोशल मीडिया से लेकर आमजन तक हिंदी का बोलबाला है। इसलिए हिंदी में रोजगार या करियर बनाने के विकल्पों में लगातार इजाफा हो रहा है।

हिंदी के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर :-

पत्रकारिता के क्षेत्र में :-

हिंदी का अध्ययन करने वाले छात्रों के बीच पत्रकारिता रोजगार का एक आकर्षक विकल्प है। यहाँ मेहनती और प्रतिभावान युवाओं के लिए बहुत संभावनाएं हैं। इस समय सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले समाचार पत्रों और सबसे ज्यादा देखे जाने वाले समाचार चैनलों में दो-तिहाई से अधिक हिंदी भाषा के ही हैं। समाचार चैनलों और अखबारों के अलावा भी हिंदी के अनेक चैनल और पत्र पत्रिकाएं हैं जो सुयोग्य युवाओं के स्वागत में तैयार खड़े हैं। इस क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक है कि भाषा पर आप की पकड़ बहुत अच्छी हो और आप अपनी बातों को सरलता और सहजता से अभिव्यक्त कर सकें। जिसमें हिंदी भाषा और साहित्य का अध्ययन विशेष लाभप्रद है। पत्रकारिता में आने की इच्छा रखने वाले युवाओं को अपने आसपास घटित होने वाली घटनाओं के प्रति सजग और संवेदनशील होना भी बहुत जरूरी है।

राजभाषा अधिकारी :-

केंद्रीय संस्थानों और कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति की जाती है। जो अपने यहां हर प्रकार से हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देते हैं और हिंदी में कामकाज को सुगम बनाते हैं। यदि आप हिंदी विषय में परास्नातक हैं और स्नातक स्तर पर एक विषय के रूप में अंग्रेजी का भी अध्ययन किया है तो राजभाषा अधिकारी के रूप में आप अपने करियर को पंख लगा सकते हैं। यहां आपको उच्च वेतनमान के साथ साथ हिंदी भाषा के क्षेत्र में कार्य करने का अवसर मिलता है।

अध्यापन के क्षेत्र में :-

हिंदी का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए अध्यापन एक पारंपरिक करियर विकल्प के रूप में प्रसिद्ध है। यहां उच्च शिक्षण संस्थानों से लेकर प्राथमिक स्तर तक शिक्षण के अवसर योग्यतानुसार उपलब्ध रहते हैं और इसे सदाबहार करियरमाना जाता है। हिंदी विषय में प्रास्नातक करने के उपरांत समय-समय पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होकर अभ्यर्थी विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर और प्रोफेसर के पद प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकारों के स्कूल में पीजीटी व टीजीटी के पद पर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

रेडियो जॉकी और समाचार वाचक के रूप :-

रेडियो जॉकी और समाचार वाचक के रूप में जो कि एक ऐसा करियर है जिसमें आपकी आवाज सुनी जाती है। इस दुनिया की बहुत सी ऐसी आवाजें हैं जिन्हें हम आज तक नहीं भूले हैं। जैसे ऑल इंडिया रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी का वह अंदाज “जी हां भाइयों और बहनों” हम आज तक नहीं भूले। इसी प्रकार अनेक एफएम चैनल्स पर बहुत से रेडियो जॉकी हैं जो वर्तमान में हमारे दिलों पर राज कर रहे हैं। इसी से मिलता-जुलता काम समाचार वाचक का भी है इसमें आपको दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए चिंता करने की जरूरत नहीं है। बस आपको अपनी सधी हुई प्रभावशाली आवाज में समाचार पढ़ने होते हैं, और देश विदेश की घटनाओं की जानकारी देनी होती है। इनसे संबंधित को प्रोफेशनल कोर्स कर लेने से काम मिलने में आसानी हो जाती है।

अनुवादक और दुभाषिया:-

अनुवाद का क्षेत्र बहुत बड़ा है दुनिया भर में जैसे-जैसे हिंदी का प्रयोग बढ़ रहा है वैसे-वैसे अनुवादकों और दुभाषियों की मांग भी बढ़ती जा रही है। अनेक देशी- विदेशी मीडिया संस्थान, राजनीतिक संस्थाएं, पर्यटन से जुड़े संस्थान और बड़े-बड़े होटलों में अनुवाद और दुभाषियों की आवश्यकता बढ़ रही है। युवाओं को चाहिए कि वह अपने अनुरूप अवसरों को तलाश

कर इस क्षेत्र में अपना भविष्य सुरक्षित कर ले।

रचनात्मक लेखन :-

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में जाने वालों के पास दो प्रकार की विकल्प हैं -

पहला है स्वतंत्र लेखन और दूसरा फिल्म, टीवी, रेडियो आदि संस्थानों में काम करते हुए। हालांकि दोनों में ही को विशेष अंतर नहीं है दोनों ही में समान रूप से काम कर सकते हैं।

कंप्यूटर के क्षेत्र में :-

आज का युग कंप्यूटर का युग है हिंदी के विद्यार्थी इस क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकते हैं। वर्तमान में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच और संस्थाओं में हिंदी के इस्तेमाल में व्यापक वृद्धि हुई है। फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफार्म पर हिंदी का प्रभाव बढ़ा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी हिंदी में बहुत बड़े पैमाने पर काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में इस क्षेत्र में भी हिंदी के विद्यार्थियों के लिए रोजगार की बहुत सी संभावनाएं हैं।

उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त भी हिंदी विषय में अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर रोजगार की संभावनाएं हैं। कहा जा सकता है कि हिंदी के विद्यार्थी हिंदी भाषा में निपुणता व दक्षता प्राप्त करें दक्षता हासिल करें और उसके पश्चात वह इस क्षेत्र में अपने लिए रोजगार की संभावनाएं तलाश कर सकते हैं।